

Must

55598



05

यत्ता॥ मित्ररुडे प्रायमेरायं विष्णु

[illegible]



श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥  
 श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥  
 श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥  
 श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥  
 श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥  
 श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥  
 श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥  
 श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥

॥ श्रीः ॥

॥ ० ॥

४



[illegible]



ॐ प्रणिधु ॥ भाद्रक मयष ॥ यत्रे शिखरै वलोष्टेष्टक यत्र विधिः ॥  
 भाद्रकयं ॥ एतन्नेष्टक गयं रसि ॥ ॥ ॥ भाद्रक मयष्टक वर नि  
 रुवति माद्वेपह उये म मव भुति म मय क नि ॥ भाद्रक धा ग म म  
 वायु उये पात्रे गवृष्ट ध प एष्ट म मवे म म म विरु ग रि ॥ ॥ ॥ मृष्टै गे ठि  
 गलंठ वेष्टु ति मि रं भु मि प म म्ने च ॥ ॥ य इ व ग म म म रै द ग ग  
 विष्टु वि व म्ने ए यः ॥ ॥ इ कि र्ति मि र यं र म्ने ग मि पि रै इ रि मि उ  
 म रि ॥ ॥ र म्ने ग म्ने वि र व म्ने म्ने म मि ग म्ने इ व म्ने रः ॥ ॥ ॥ वि र म्ने

॥ श्रीः ॥

॥ १ ॥



ऊन॥ योमं डेवि प्रउठ मंभुतं पौढं उरुव दूर॥३॥ दद॥३॥  
पम॥३॥ मष॥३॥ निम्ने दय॥३॥ विपुंभय॥३॥ सद्देन वरुण॥  
गमय॥ दसेरऊ नऊन अद॥॥॥ मि वकरे मा शिगम उयेद  
मेमव उगे मा गिरग मरुड॥ नेडे मरुडे समिभ पुमा पु रिषुम  
मिऊ मिपुके पुकेप॥ मपुके पुपु मपेपु पुपु मेपक मालिपे  
ग॥ वेम शिव मवसैव मिऊठ॥ मरुऊकः॥ नेडे मरिग म॥  
वयउ रिग मरुमकः॥॥॥ येरै वरुमे॥ लिपे डेरै वरुमे॥ म॥











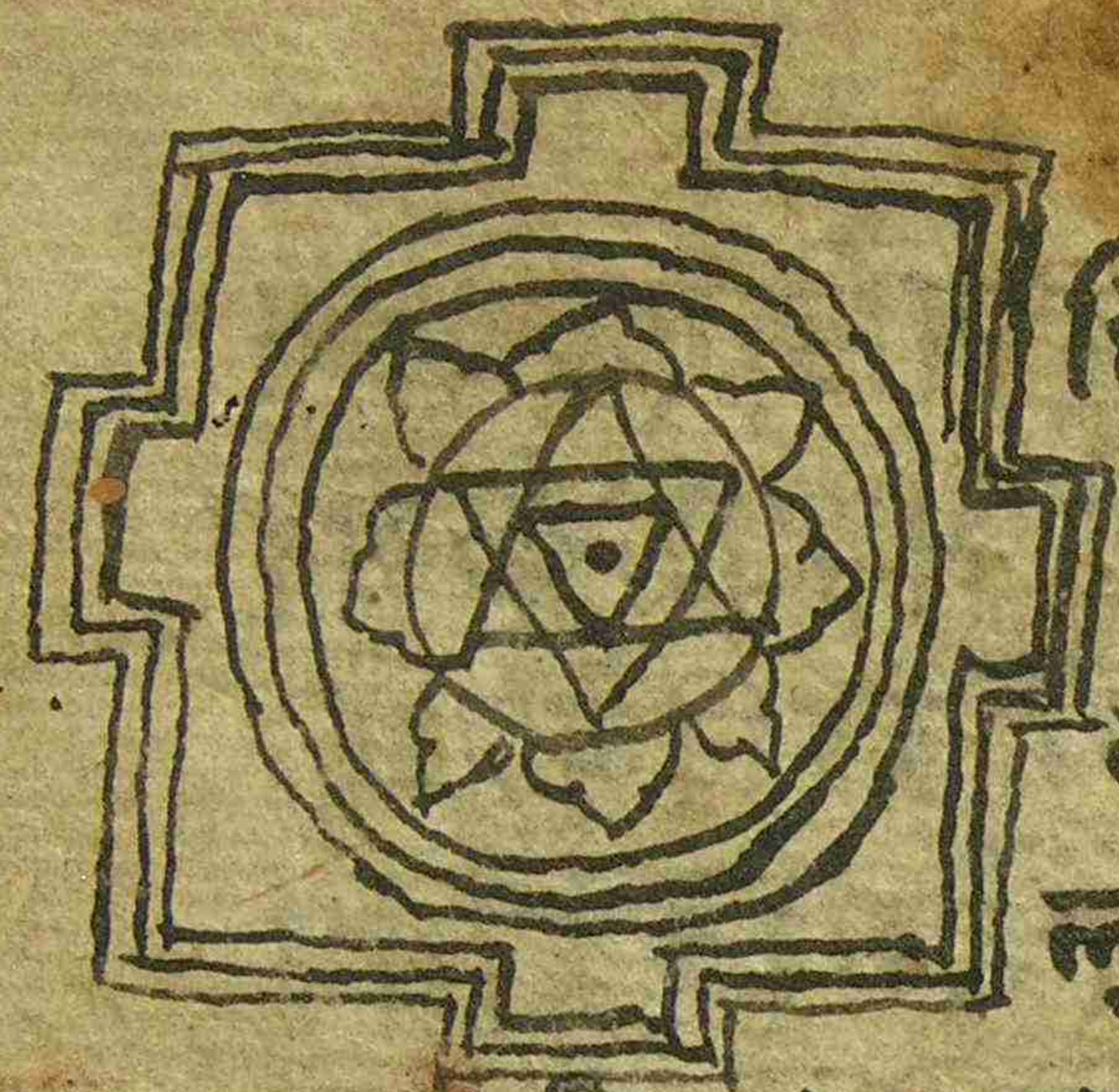
श्री गेष्टै पागभि द्विम द्वै पागयै नमः ॥ १ ॥  
ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ २ ॥  
ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥  
ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ४ ॥  
ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ५ ॥  
ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ६ ॥  
ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ७ ॥  
ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ८ ॥  
ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ९ ॥  
ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ १० ॥



वीहृदिष्टयेदुगुगिनपदेमउः एषुअलंयषामक्तिणपंयेडेम  
मययेता उडेवदिभुवसृकं नृदभ'इयषा विणि भवृ'मिकंभम  
पृषेसुगसुसृगम फलभा सु'प्रएविण'य'पामे उइविमेपुम  
यल्लवदिंभभाभिरुभ'भरंमेपयेइभ'ग उइ'म'य'य'इ'मीभस  
दभुभविभ्र'उभा मउक'य'म'म'प'उइय'इ'लि'पे'दिये ७ सुहु  
भिद्रगणभ'भिद्रग'किउभभुकः रुडा'विभ्र'मिडु'पु'इ'म'वी  
भदेसगीभा ०० इके' विभ्र'भ'य'उं'भ'भ'उभ'भ'लभा वभ'प'इ  
प'ग'दं'मी'य'र'र'व'ग'इ'क'भा उं'भ'भ'मी'र'व'ग'इ'प्र'ए'भ'इ'भ'मी



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



श्रीः

विष्णुमणिः पद्मिनीः पञ्चमणिः श्रीविष्णुहृत्कण्ठ  
वत् पञ्चलीलांभः मणिः लीलीलकं भगवत्पुत्र  
कभमैकैकश्रीलपप्रणमैविविधैः उतिमक  
नृ पद्ममिकरधरुद्रतामं सुन्दर कुतमुत्ति  
पञ्चमिभकशुभद्वयधैरुतामविष्णुताममीविष्णु पद्मलि  
मंभूत श्रीगुडुपद्मिपुमने भूषणपद्मद्वयकुरुमे श्रीगुरुश्रीदेवी  
भक्तवृत्तवैष्णवपुत्रिप्रणमभक्तैक्यषा उद्गमैरिगमपुत्र  
यामभयैकवः मुनिमैवकु पद्मसङ्गवैष्णवमासुप्रदं ॐ



ॐ कंकल यिमस्य ॐ शंभुयामः ॐ श्रीपविष्टमः  
ॐ भंभुल्लय ॐ शंभुश्रीपय ॐ श्रीकल्लवय ॐ कंकलभुक्तय  
ॐ पंपागिएउअलवेष्टमः ॐ यंयोगपीणभययामः ॐ उतिवेगपी०  
प्रणयिद्ध अलंभुद्धभुयद ति ति यिउंनद्ध अल्लेराउंकळुळुळु  
इरेदतीह ति भडिउरळिद्धरु अना वेष्ट विमिद्ध भविरेष्ट श्रीदे  
वीष्टयनाअलभुद्धदभउणयव पाइभमिभडु वेमि केपरि उंहुंहु  
इदे ति अलंभुद्धभुयव निचपडा उतिवेष्ट श्रीयइपरि मडुगभुप्रलंमा











श्रीः

दिः

श्रीः

रमाभारकउयवा ॥ एरु सुभद्रि कृष्टा इष्टा गीतु एयता प्रच लं उरु  
श्रीप'रुकं प्रणयामि नमः उरु यामि नमः ॐ रं सुप्रि श्री ॐ ए यम श्री ॐ  
कं विरुति श्री ॐ वं वरु श्री ॐ यं व यम श्री ॐ मं मं म श्री ॐ दं रं मरु श्री  
ॐ सुं वरु श्री ॐ ह्रीं वरु श्री पउं धं मभी प वरु श्री म जि श्री म रु श्री प रु  
श्री प'म श्री वरु श्री गम श्री ॐ दि वरु श्री प रु श्री म रु श्री ॥ एम वरु रु  
गः प्रणयेता ॐ मं मेल प रु नमः श्री मेल प्र श्री श्री पा ॐ वरु वरु म रिष्टै नमः  
वरु म रि श्री ॐ मं म रु ॥ ए रु यै नमः ॐ री रु रु रु रु नमः ॐ मः रु  
रु म रु नमः ॐ कं कं रु यै नमः ॐ कं कं ल रु रु नमः ॐ गं म द गी दै



ॐ नमः ॐ श्री गे व द्रु डै नमः ॐ व द्रु डै नमः ॐ श्री प प्र उ उ नमः ॐ अल वि हं म  
भ द्र द दि उं क भ गी प्र ए यि द्र उ गी य वि हं श्री भ द्र दि प भ द्र गी श्री प  
द कं प्र उ श्री क भ द्र वि हं भ द्र द श्री क भ द्र श्री प श्री वि हं श्री भ द्र ए म प्र उ  
भ उ द्र म भ द्र द दि द्र उ द्रि क ॐ गं ग ल म श्री ॐ रं द्रि क भ द्र श्री ॐ वं व द  
क श्री ॐ कं उ भ द्र श्री प ए ए ॐ भं भ प्र भा ग र श्री ॐ प व उ श्री ॐ गं द्रि म  
ए श्री प द कं प्र उ उ डि भ द्र ए भ उ द्र उ भ द्र प रि प रः अ ल गे वी ग र क उ प  
धै भ द्र ए प्र प मी प रै व द्र उ धु ल सु ड म भ द्र भ द्र ग ल रि वि व द्र  
प र म द्र ग व मि ठिः श्री गे वी भ उ द्र य व भ द्र वं भ चै प र ग र ए उ







श्रीः

लिलिंविहं गंगाल मायसभः गल्लमश्रीपदकं प्रणम्य भिरभः उ  
दगभिरभः उद्विप्रवद्वरे पवं गं वं वद ल मश्रीपः पद्विभद्वरे गं पं  
पमगल्लमश्रीपः दद्विल्ल गं मं उ वं र मश्रीपः उ उ र उ उ म उ र मं ग उ  
पं द उ म वि विः मं प्र ह वीर क क्ले मश्रीपः इ ल मभ उ ह वि रु म ग मं व  
उः प्रणय उ गं मं क म क वि ली रि उ क ल मश्रीप गं मं व द ह क वि ली  
रि उ मश्रीप गं उं व द ह क वि ली रि उ मश्री गं रं म व द क वि ली रि उ  
मश्री गं उं म व क वि ली रि उ मश्री गं उं उ प क वि ली रि उ मश्री गं उं र म  
क वि ली रि उ मश्री गं उं ग व क वि ली रि उ मश्री गं उं मि उ क वि ली रि



ਸ੍ਰੀ:

ਸ੍ਰੀ:

ਹਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤ  
ਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤ  
ਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤ  
ਹਸ੍ਰੀਥ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤ  
ਲੀਸਭਿਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤ  
ਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤ  
ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤ  
ਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤਸ੍ਰੀ ਭੰਗੋਦਕਧਿਲੀਰਿਤ



ਧਗੜਾਤੁ ਮਿਠਿ: ਪ੍ਰਪਣੁ ਤਿਕੈ ~ ਪ੍ਰਭੁ ਤੁਹਾਗਾ ਤੈਂ ਤਿਪਾਸੀ ਤੈਂ ਮਧਿਕ ਸ੍ਰੀ  
ਤੈਂ ਰੁਜ ਸ੍ਰੀਪਾ ਤਿਤਿ ਤਿਕੈ ~ ਗੜਾ ਕੁਤਾ ਮਿਠਿ ਮੁਮਤੁ ਵਿਦੁ ਮਨੁ ਪ੍ਰਯਾਯੇਤਾ  
ਤੈਂ ਮਾਤਾ ਰੁਮਧਰੈ ਰੁਮਧਰੈ ਰੁਮਧਰੈ: ਤਿਤਿ ਤਿਕੈ ਪ੍ਰਭੁ ਲਲਿਤਿ ਵਿਦੁ ਅਲੰ ਮੁ  
ਗਾ ਸ੍ਰੀ ਵਿਦੁ ਤਿਤੁ ਏ ਮੁਮਤੁ ਤੁਗੀਧ ਵਿਦੁ ਮੁਮਤੁ ਸ੍ਰੀ ਧੰਨੁ ਸ੍ਰੀ ਤਿਤੁ ਰੁਮਧਰੈ ਸ੍ਰੀ  
ਕਮੇਸੁ ਰੁਮਧਰੈ ~ ਮਿਵੰਕੁ ਮਾਗਾਨਾ ਪ੍ਰਪਣੁ ਧੰਨੁ ਸ੍ਰੀ ਵਿਦੁ ਸ੍ਰੀ ਮਦਾ ਤਿਪਾਸੀ ਮੁਮਤੁ  
ਗੀਤੁ ਮੁਮਤੁ ਸ੍ਰੀ ਵਿਦੁ ਤਿਤੁ ਰੁਮਧਰੈ ਗੜਾ ਪ੍ਰਭੁ ਕੁਤਾ ਪ੍ਰਪਾਸੀ ਪਰੈ ਰੁਮਧਰੈ ਮਿਠਿ: ਸ੍ਰੀ ਸ੍ਰੀ  
ਮਾਗਾਤੁ ਸ੍ਰੀ ਪਾਤੁ ਮਾਤੁ ਰੁਮਧਰੈ ਮੁਮਤੁ ਪ੍ਰਭੁ ਮਲ੍ਹਰੀ ਮੁਮਤੁ ਮਿਠਿ: ਸ੍ਰੀ ਸ੍ਰੀ ਮੁਮਤੁ  
ਤੈਂ ਮੁਮਤੁ ਮੁਲੇਰ ਪਧ ਮਾ ਪ੍ਰਤਿਤੁ ਤੁਮੁ ਪ੍ਰਚਰਨੁ ਸ੍ਰੀਧ ਵਿਦੁ ਮੁਮਤੁ ਮੁਮਤੁ ਮੁਲ ਵਿਦੁ  
ਵਪ੍ਰਚਰਨੁ ਰੁਮਧਰੈ ਰੁਮਧਰੈ ਪ੍ਰਭੁ: ਸ੍ਰੀ ਸ੍ਰੀ ਮਾਗਾਤੁ ਪ੍ਰਭੁ ਪ੍ਰਤਿਤੁ ਰੁਮਧਰੈ ਮੁਲ



श्रीः

विष्णुय श्रीमृमभद्विपरभृगुगीश्रीपादकं धेनुमैरुमहिचैपमरैः मथ  
ए इयेममभद्वः प्रभु श्रीमृष्टगुतः कुभगीरवपद्मिभैवयषठिलधित  
माहिभापीः भवभिनीम देवतत्रुष्टु श्रीमृवीशीउयेप्रणयेता उष्ट्र ॥ ॥  
उष्ट्रचवष्ट्र भृमिगवंविणय श्रीमृवीष्टयेता उष्ट्रगुतः उष्ट्रगुतः भृमि  
ऊएवतीरउताएष्ट्रगुतः दभृमृलैः मपमसुमभमरणभृयकैचिभृ  
गतीभा सुपीरैउष्ट्रवक्षैरुदताएविलभउगदगैष्ट्रलाष्ट्री एष्ट्रमृष्ट्रदभृ  
श्रीः भृमृ निवभरभीष्ट्रीभीष्ट्रगुतः भा उष्ट्रगुतः मृमृयउमविठरगं म  
माष्ट्रलोपभृमृष्ट्रगुतः उष्ट्रगुतः मृमृयउमविठरगं म  
भृमृष्ट्रदभा उष्ट्रगुतः उष्ट्रगुतः मृमृयउमविठरगं म  
भृमृष्ट्रदभा उष्ट्रगुतः उष्ट्रगुतः मृमृयउमविठरगं म



एयडुचेमायेयेणलवुये मकिन्मरुमयरेउतेवमुकमन् पात्रि  
भप्रइलठयवयवेगेमाउये उउगेणलठयमेमभेकलवुये ८  
इयषाकीधुमभापीः उभागीभंभापु ह्रीठडुदेतिमिमेवदु भचलक  
मप्रलः भअउः भपरिधुः भवभुभुभंभप्रलः पधुमभुठिलह  
उः उः पप्रवववधुः प्रणयकुकत्रिवे उभापादे ५कात्रु भदु  
वभुमलतयिदु उः प्रएपी०भभपवेष्ट पमपी० परिउदुदे ५कात्रु  
पमपी०भदिउेभिरभभभहपउे महुकयनभः ८तिरुमे ८ गपी०  
प्रएविणय भभिकभभेपविधुभउभ उंभइकरभयीलह्रीभाभ  
कउपाणरिमीभा नवभुजाडिकंभाकाकुकभवदयभुदभा ८तिप्र



श्रीः

इक भव ह चं ली भैः श्रीवलथैरभः उतिचल विह भवद उभागी  
श्रीपदकं ५ उतिउदमैरिः भवद भवभिरिपुको उभवभिरिमीपा  
राल विहयैवगवमिमीपा उमपमगैरपमद भूपदुतिरुमैरिपिप ५  
भुदयवदरविहयग उमपुमैकभं भलेरवदरमिपरभीकर ५  
प्रयविणय उमभभलमेवीगवमिमीपा उमपमगैरकुच उतिरभि  
भलेरमीमेवीरिः ५ ५ उमपः उमैरिः उमैरिः उमैरिः उमैरिः  
श्रीमैलपुहैरभः उतिमिस्तेवगवमिभभदु ५ मगयैरभः उति  
भाप ममिस्तेवगवमिभभदु ५ उतिमिस्तेवगवमिभभदु ५  
वभभदु ममिस्तेवगवमिभभदु ५ उतिमिस्तेवगवमिभभदु ५



रभः ँकभसुस्यउसीडिगयैरभः ँभदकलयउसीभदकलैरभः ँभं  
दगठैरवयउवृद्धैरभः अभितुअयउवैष्टुहैरभः ँकलरुद्रय ँविकुवा  
लय ँकगलय ँकलायये ँरुगवे ँभग्राय ँउरुउय ँमिडुडु  
पय ँमाभुहै ँकैभादै ँसुपगलितायै ँवरुहै ँरगभिंहै ँ  
वेरुहै ँकित्रमीदयै ँमारिकयै ँवोपदै ँउदै ँभभाष्टै ँयेगी  
मुदै उडिहमयेगउरुउपधैः भभ्रष्ट भलेनमिष्टुठगल भालः भभ्रष्ट  
भलेनपैमरंमडु भलेनभचहैरररैवेष्टुविवेष्टु भलेनउभुलंमडु भ  
ष्टायभेवमात्रिपाइरिवेष्टु उःभचः भभ्रष्टाणि एयिष्टु सुमभरंउभुलं  
भुमदिष्टुमयषामत्रिभचहैभभ्रष्ट उहैवेष्टुपुष्टुविभल्य



